संस्करण 2025 6 सितंबर 2025 - शनिवार मूल्य: 1₹

हिंदी समाचार | रोज़ाना की ताज़ा ख़बरें | लाइव वीडियो न्यूज़

88.36 ₹ india file story 88.36 ₹

आज की बारिश: पंजाब से दिल्ली तक तबाही, कई राज्यों में अलर्ट

नई दिल्ली, 6 सितंबर 2025

देशभर में मॉनसून की सक्रियता ने हालात बिगाड़ दिए हैं। पंजाब में 30 साल बाद सबसे भयावह बाढ़ ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है, वहीं राजधानी दिल्ली में यमुना खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। मौसम विभाग ने राजस्थान और गुजरात के कई हिस्सों में रेड अलर्ट जारी किया है। दूसरी ओर, उत्तर प्रदेश, बिहार और पंजाब के कुछ इलाकों में हल्की बारिश के साथ राहत की संभावना जताई गई है।

पंजाब: तीन दशक की सबसे बड़ी तबाही

पंजाब, जिसे देश का "अनाज का कटोरा" कहा जाता है, इस समय भीषण बाढ़ की चपेट में है। लगातार हुई तेज बारिश ने नदियों और नालों को उफान पर ला दिया है। जानकारी के अनुसार लगभग दो हजार गाँव बुरी तरह प्रभावित हुए हैं और अब तक 43 लोगों की मौत हो चुकी है।

कृषि भूमि का बड़ा हिस्सा जलमग्न हो गया है। खेतों में खड़ी धान और कपास की फसल पूरी तरह बर्बाद हो रही है। किसान बेबस होकर केवल अपनी जमीन और मेहनत के डूबते सपनों को देख रहे हैं। जिन परिवारों के पास थोड़ी बहुत बचत थी, वे अब सुरक्षित स्थानों पर पलायन कर चुके हैं।

दिल्ली: यमुना के उफान से हाहाकार

राजधानी दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर लगातार खतरे के स्तर से ऊपर बना हुआ है। निचले इलाकों में बाढ़ का पानी भरने से हजारों लोग विस्थापित हो चुके हैं। कई परिवारों को बार-बार अपने घर छोड़कर अस्थायी शिविरों में जाना पड़ा है।

पूर्वी दिल्ली, मयूर विहार, कालींदी कुंज और लोहे के पुल के आसपास सबसे ज्यादा जलभराव है। सड़कें नहर जैसी दिख रही हैं और यातायात पूरी तरह बाधित है। स्कूलों में बच्चों को छुट्टियाँ दी गई हैं ताकि किसी तरह का जोखिम न उठाना पड़े।

एक परिवार की कहानी आज चर्चा में रही, जिसे पहले राहत शिविर में ले जाया गया था लेकिन वहां भी पानी घुस आया। मजबूरी में उन्हें दूसरी बार सुरक्षित स्थान पर जाना पड़ा। यह स्थिति बताती है कि राजधानी जैसे बड़े शहर की भी आपदा प्रबंधन व्यवस्था किस तरह दबाव में है।

राजस्थान और गुजरात: मौसम विभाग का रेड अलर्ट

राजस्थान में भारी बारिश का संकट: ताज़ा रिपोर्ट

प्रभावित इलाकों की तस्वीर

मोरड़ा गांव और आसपास के जिले ऐसे क्षतिग्रस्त हुए कि वे पानी में तैरते टापुओं जैसी स्थिति में बदल गए। खेतों और घरों में जलमग्नता हो गई, कई लोग फंसे हुए हैं, और राहत कार्य जोर-शोर से जारी है। साथ ही, एक स्वास्थ्य केंद्र का भवन भी भारी बारिश की वजह से ढह गया है।

औद्योगिक और प्रशासनिक सक्रियता: मुख्यमंत्री ने मंत्री और विधायकों को फील्ड पर भेजा है ताकि वे प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर राहत योजनाओं को लागू कर सकें।

अपना सुझाव हमें ईमेल पर भेजें –
filestoryindia@gmail.com